पायोनियर ऑफ सोसायटी ADVERTORIAL

# सुरक्षा ही लाजिस्टिक व्यवसाय की जरुरत, आध्यात्मिक, सामाजिक व व्यावसायिक उत्थान को सिद्ध करते - अशोक गोयल

**मुंबई सहित** संपूर्ण देश में लॉकडाउन के कारण हम बहुत सी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, किंतु बाजार खुले हैं खाद्य सामग्री मिल रही है। इन्हें देश के अलग अलग हिस्सों से हम तक पहुंचाने का काम ट्रकों से होता है। सामान्य भाषा में हम समझे तो भारी सामानों को एक स्थान से दूसरी जगह ले जाने के लिए कार्गो का इस्तेमाल होता है। आज ऐसी ही एक कार्गो कंपनी की चर्चा हम करेंगे। जो बड़े बड़े ट्रक विशाल सामान को ढो कर हमारे सामने से गुजरते हैं उनको चलते हुए देखना जितना सहज लगता है उतना चलाना आसान नहीं होता। मुंबई मुख्य बंदरगाह है इसलिए हमें ऐसी कई ट्रांसपोर्ट कंपनी बल्कि कहा जाए कि सभी कंपनियों के लाजिस्टिक देखने सुनने को मिल जाते हैं। आज हम उल्लेख करेंगे बीएलआर लाजिस्टिक इंडिया लिमिटेड की। यह कंपनी देश की 7 मान्यता प्राप्त लाजिस्टिक्स कंपनियों में से एक है इसका गठन वर्ष1968 में हुआ था। आज ये लिमिटेड कंपनी बन चुकी है। कंपनी की देशभर में 80 से अधिक शाखाएं हैं और 1000 कर्मचारियों का सहयोग है। ट्रक व्यवसाय से शुरु हुआ ये कारोबार अब वेयरहाउसिंग, सीमा शुल्क निकासी, लोडिंग, आयात निर्यात जैसे महत्वपूर्ण कार्य क्षेत्र में फैल चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य दक्षता के चलते कंपनी ने अपनी साख बनाई है। इस ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में सुरक्षा और सतर्कता बड़ा ही अहम मुद्दा होता है। बीएलआर लिमिटेड कंपनी इस मामले में शुरू से ही प्रतिबद्ध रही है। कंपनी ने शून्य दुर्घटना लक्ष्य को प्राप्त किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कंपनी ने चौबीस घंटे एक नियंत्रण टॉवर तैयार किया है। यहां सातों दिन 24 घंटे तीन शिफ्ट में निगरानी रखने कर्मचारी तैनात रहते हैं। इस कंपनी को बनाने और चलाने वाले इसके बीएलआर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अशोक गोयल हैं। अशोक गोयल का जन्म सन् 1963 को हुआ । माता श्रीमती चमेली देवी गोयल और पिता स्व. श्री लालचंद फूलचंद गोयल के पैतृक स्थान सिसाई हरियाणा में जन्में श्री अशोक गोयल की शिक्षा बी.काम तक यहां मुंबई में ही हुई। आपके पिता श्री लालचंद गोयल मुंबई में एक ट्रांसपोर्ट कंपनी टीसीआई में काम करते थे। कुछ वर्षों के कार्यानुभव के बाद पिताजी ने नौकरी छोड़कर अपना स्वयं का ट्रांसपोर्ट व्यवसाय शुरू कर दिया। अशोक गोयल ने पिता के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करना शुरू कर दिया। पिता पुत्र की मेहनत रंग लाई और कारोबार आगे बढ़ने लगा। अशोक अब किशोर अवस्था से ही ट्रांसपोर्ट कंपनी को पसंद करने वाले अशोक गोयल अब युवा हो चुके थे और अपनी कंपनी बी एल आर इंडिया लिमिटेड को नई उंचाइयों तक ले जाना उनका लक्ष्य था। वे अपने लक्ष्य प्राप्ति में लग गये। पर वहीं माता पिता परिवार की भी उनसे अपेक्षाएं थीं। वर्ष 1988 की 8 फरवरी को अशोक जी का शुभविवाह नीलू जी के साथ संपन्न हुआ। अच्छे जीवनसाथी के रूप में नीलू जी उनके जीवन में आईं और घर के साथ साथ दफ्तर का भी व्यवस्था आपने बखूबी संभाल लिया। महिलाएं वैसे भी प्रबंधकीय कार्यों में दक्ष होती हैं श्रीमती नीलू गोयल दोनों मोर्चों पर सफल साबित हुईं। दोनों पति पत्नी के जीवन में आनंद और सफलता के क्रम शुरू हो गया। अशोक गोयल और श्रीमती नीलू के दो पुत्र हैं बड़े अभिषेक गोयल जो सिंगापुर से मार्केटिंग और फायनेंस में शिक्षा प्राप्त कर अपने पिता जी की कंपनी में अपनी योग्यता का लाभ दे रहे हैं। अभिषेक अपने दादा और पिता की परंपरा का निर्वहन करते हुए आधुनिक तकनीक आधारित ज्ञान का व्यवसाय में उपयोग कर रहे हैं। उनकी संवेदनापूर्ण कार्यशैली से उनकी कंपनी के कर्मचारियों के कल्याण की भावना रही है। अपने अधीन कार्य करने वाले 5 कर्मचारियों को उनके अच्छे काम के लिए पिछले साल सभी को इनाम के तौर पर कार भेट की। एक कारण यह भी है कि उनके स्टाफ में उनकी तरह पीढ़ी दर पीढ़ी काम करनेवाले कर्मचारियों की उपस्थिति है जिससे वे सामंजस्य पूर्ण पारिवारिक माहौल में अपने कार्यों को साकार कर रहे हैं। वहीं छोटे सुपुत्र आकाश गोयल कनाडा में रहकर अर्थशास्त्र की पढ़ाई कर रहे हैं। अशोक गोयल कहते हैं कि जिंदगी हर इंसान को एक मौका जरूर देती है बस उस इंसान को उसे पहचान कर उपयोग करना आना चाहिए। मुंबई में एक वन बीएचके अपार्टमेंट से जीवन का आरंभ करने वाले अशोक गोयल जी सात लोगों के परिवार के साथ रहा करते थे। भाई बहन के साथ खुशहाल जीवन के आरंभिक दिनों की याद करते हुए वे कहते हैं कि हम सब पढ़ाई के प्रति ज्यादा रूचि रखते थे। मुझे पढ़ना बहुत पसंद था। उनकी इच्छा थी कि वे एम. काम.कालेज में शिक्षा ग्रहण करें। स्कूली शिक्षा के बाद अशोक गोयल ने एक छोटे उद्योग में कार्य अनुभव प्राप्त किया। शिक्षा और कार्य के बीच उन्होंने समन्वय बनाया। एकाग्रता का परिचय देते हुए उन्होंने दोनों काम बखूबी निभाए। मल्टीटास्किंग को स्वभाव में ढाला और इसका लाभ बीएलआर लिमिटेड कंपनी को मिल रहा है। अपने साथी कर्मचारियों के साथ अच्छे संबंधों का ही ये नतीजा है कि कर्मचारी कंपनी छोड़कर दूसरी कंपनियों में नहीं जाते। अशोक गोयल अपने कर्मचारियों के साथ विश्वास कायम रहे इसका ख्याल रखते हैं। उनका मानना है कि आपकी पहली नौकरी आपकी अंतिम नौकरी हो सकती है। वे एक परिवार भावना से कार्य करते हैं। ईमानदारी और अखंडता उनके मूलभूत सिद्धांत हैं। वे कहते हैं कि मैं एक उद्यमी की तरह सबकी बातें सुनता हूँ, दूसरों की गलतियों से सीखता हूँ, एक टीम की तरह हर विषयों पर सबसे चर्चा करता हूँ। मैं प्लानिंग इन डिटेल और प्लानिंग इन एडवांस,अशोक गोयल ट्रांसपोर्ट व्यवसाय के बारे में बोलते हैं कि इसमें नेटवर्किंग अच्छी होना जरुरी है। नये लोग जो इस क्षेत्र में आने वालें हैं, उनको कम से कम 2 वर्षों का अनुभव होना चाहिये। मेरी ही टीम में ऐसे बहुत से लोग हैं जो अनुभवी तो हैं पर कम पढ़े लिखें हैं। पर ये लोग एमबीए किये हुए लोगों से भी ज्यादा दक्ष हैं। जीवन में एक अच्छे गुरु के महत्व पर वे कहते हैं इसकी हमेशा जरूरत होती है। मेरे भी गुरूजी थे। मेरे आध्यात्मिक गुरू ने मुझे जो ज्ञान दिया उसका ही सुफल है कि मैं आज शून्य से शिखर की ये यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण करने में सफल रहा हूँ। बी एल आर लाजिस्टिक इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अशोक गोयल को उनके शानदार कार्य करने पर कई सम्मान भी प्राप्त हुए इनमें 2010 में सीएट इंडिया ट्रांसपोर्टेशन एवार्ड ,कस्टमर सर्विस वेस्टर्न रीजन के लिए मिला। वहीं वर्ष 2017 में महिन्द्रा ट्रांसपोर्ट एक्सीलेंस एवार्ड शामिल है। व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद अशोक जी धार्मिक व सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। अपना घर आश्रम, भरतपुर से उनका जुड़ाव है पवित्र तीर्थ "खाटू श्यामजी" में धर्मशाला बनवाई है जिसमें श्याम भक्तों को निःशुल्क रहने की व्यवस्था है। विशेष रूप से धार्मिक पत्रिकाओं का पठन पाठन करना आपको पसंद है। उनका कहना है कि इस विषय में अच्छी सामग्री का प्रकाशन होना चाहिए। अशोक गोयल बाम्बे गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं। वे आल इंडिया ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट हैं। ट्रक ड्राइवर ही इस व्यवसाय की रीढ़ होते हैं मृदुभाषी अशोक गोयल उनके जीवन उत्थान का विशेष ध्यान रखते हुए कहते हैं कि जो ड्राइवर उनके साथ पांच वर्ष तक काम करता है उसे वाहन के चालक से मालिक बनाने के लिए पुरानी गाड़ी आसान किस्तों में दी जाती है। उनकी कंपनी में ट्रक ड्राइवर्स को सभी मूलभूत सुविधाएं जैसे प्रोविडेंट फंड, ईएसआई, रिटायर होने पर पेंशन दी जाती है। ट्रक ड्राइवर्स को प्रोत्साहित करने हेतु "हाईवे हीरोज" कार्यक्रम से जुड़े हैं। अपने मातहत कार्य करनेवालों के अलावा उनके पारिवारिक सदस्यों को स्वास्थ्य बीमा का उन्होंने लाभ दिया है जिससे उनके स्टाफ के कर्मचारियों व उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित रहें। ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में उल्लेखनीय सफलता पाने वाले श्री अशोक गोयल ने सदैव जमीन से जुड़कर काम किया है। विनम्र, मृदुभाषी और संवेदनशील व्यक्तित्व के कारण अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

**अशोक गोयल**
**मैनेजिंग डायरेक्टर**

**अशोक गोयल के व्यवसाय में प्रगति के साथ जीवन में तब ढेर सारी खुशियां और जुड़ गई जब 8 फरवरी 1988 को वे नीलूजी के साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। नीलू जी के साथ परिणय के बाद उनका जीवन न सिर्फ सुखद व आनंददायक हो गया बल्कि उनके लिए उन्नति के अनेक रास्ते भी खुल गये। अपने वैवाहिक जीवन में एक आदर्श पत्नी के रूप में श्रीमती नीलू गोयल ने अशोकजी की घरेलू व व्यावसायिक जिम्मेदारी का सुंदर निर्वहन किया है,उनके प्रबंधन में जीवन के हर मोर्चे में सफलता अर्जित की है।**

MORE THAN 3 DECADES OF EXCELLENCE
BLR Logistiks (I) Ltd
Trust • Talent • Technology

**अपने पिता स्व. श्री लालचंद गोयल,माता श्रीमती चमेलीदेवी गोयल, धर्मपत्नी श्रीमती नीलू गोयल, बड़े पुत्र अभिषेक, छोटे पुत्र आकाश के साथ श्री अशोक गोयल।**

प्रस्तुतिः वीरेंद्र कुमार मिश्र
9969174226